राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2453
हम होंगे कामयाब
सुपर कमाण्डो ध्रुव
मल्टीस्टार विशेषांक

8 फरवरी, 2004
जैसलमेर रेगिस्तान, राजस्थान।
कोई भी खेल खिलाड़ी से बड़ा नहीं होता! खेल बड़ा होता है हौंसले से, जुनून से!
सच्चा खिलाड़ी वो है जिसका जुनून खेल को जीतना नहीं, खेल को सच्चे जज्बे, सच्चे जुनून से खेलना होता है!
यदि जुनून सच्चा हो तो जीत अपने आप ही मिल जाती है!
आसमान की बुलंदियां वही परिन्दे चूमते हैं जिनके हौसलों के पंखों में जुनून की सच्चाई होती है!
हम होंगे कामयाब... हम होंगे कामयाब...
जिनका सपना तो आसमान में अपनी हसरतों के पंख फैलाना है, पर जिनकी जड़ें अपने देश की मिट्टी में बहुत गहरी हैं!
हम होंगे कामयाब... एक दिनSSS.....
जिन्हें तलाश है बस एक मौके की! मौका, खुद को साबित करने का, दुनिया को दिखा देने का कि जुनून जब हद से बढ़ जाता है...
...तब खेल ही खिलाड़ी का खुदा बन जाता है!
हो..हो..मन में है विश्वास...SSS

...पूरा है विश्वासऽऽऽ
...हम होंगे कामयाब एक दिन!!

खिलाड़ी के खेल और इंसान की जिन्दगी में खास फर्क नहीं होता। दोनों में ही विपदा, उतार-चढ़ाव, अनिश्चितता और हार का डर बहुत अधिक होता है! पर खेल हो या जिन्दगी, जीत उन्हीं के कदम चूमती है जो विकट परिस्थितियों में भी बुलन्द रखते हैं अपने हौंसले, जिनका खुद पर विश्वास पक्का होता है कि

हम होंगे कामयाब

संजय गुप्ता की प्रस्तुती

लेखक	आर्टिस्ट	इंकिंग	इफैक्ट्स	कैलिग्राफी	सम्पादक
नितिन मिश्रा	हेमंत	गौरव	सुनील	हरीश शर्मा	मनीष गुप्ता

मीडिया में पवन खन्ना के खिलाफ बयान देने के बाद ही चारों में से तीन खिलाड़ियों की रहस्यमय परिस्थितियों में हत्या हो गई व चौथा लापता है!

जाहिर सी बात है कि शक की सुई सबसे पहले कोच पवन खन्ना पर ही जानी थी। जब मैंने खन्ना की तलाश शुरू की तब खन्ना राजनगर छोड़ कर भागने की तैयारी कर रहा था! मुझे पीछा करता देख यह अंधाधुंध गाड़ी भगाने लगा, गाड़ी इसके कंट्रोल से बाहर हो गई और ब्रिज तोड़ते हुए नदी में जा गिरी!

हुम्म! अपने किए का फल इसको अपने आप ही मिल गया! चलो ध्रुव! मेरे विचार से इस कहानी पर तो पूर्ण विराम लग गया है!

नहीं इंस्पेक्टर कौशिक! मेरा दिमाग इस बात की गवाही नहीं देता। मेरा दिमाग कहता है कि कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, पूर्ण विराम नहीं...

...सिर्फ अल्पविराम लगा है अभी!
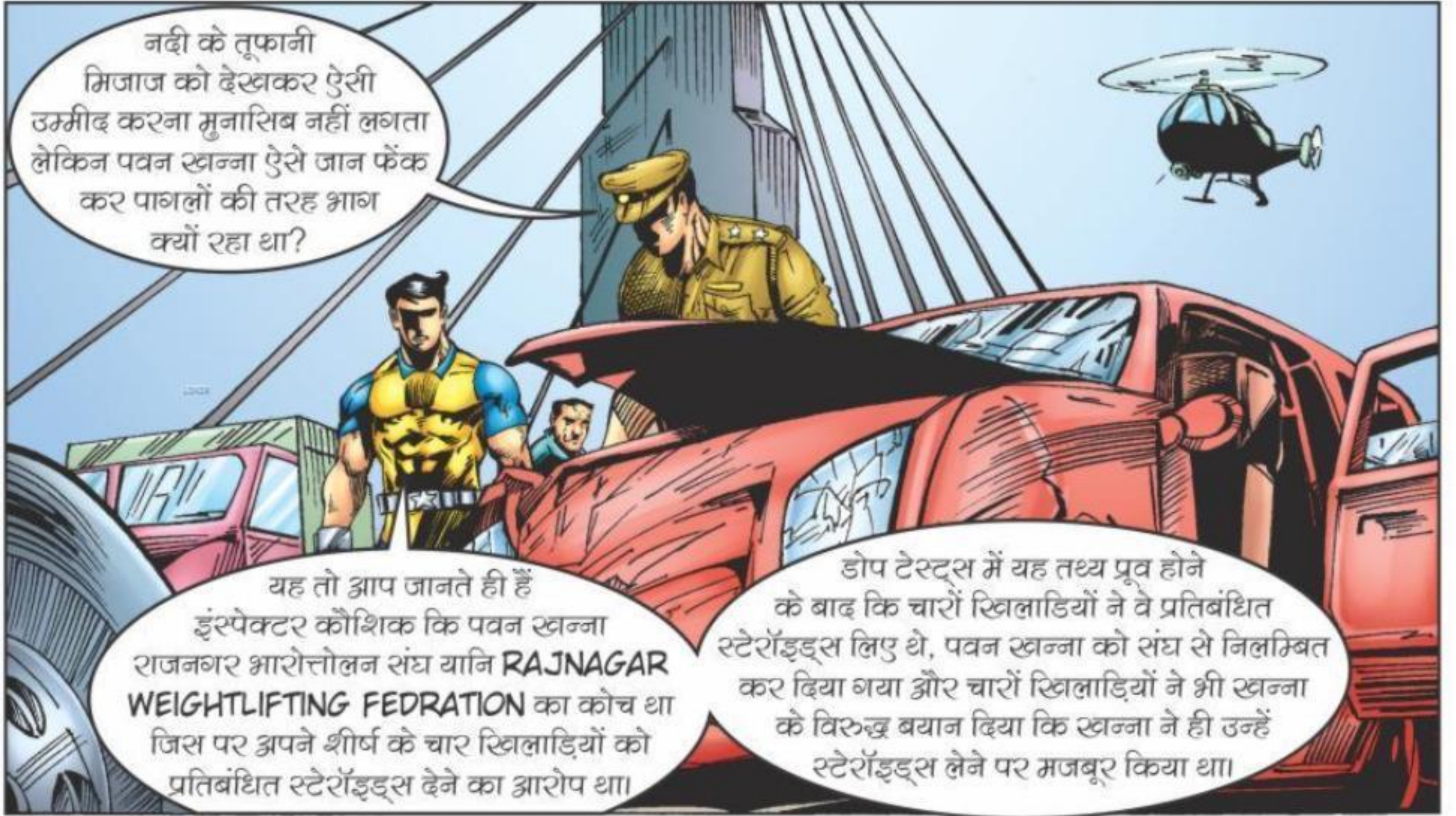
26 सितम्बर 2010
समयः- रात 8 बजे
स्थानः- खेल गांव के करीब दिल्ली।
सर्र्ऽऽऽऽ
स्क्रीऽऽचऽऽऽ

फटाक

धड़ाक

हम्फ..हम्फ!!
जब इतनी दूर गाड़ी भगा के नहीं बच सका तो सौ किलो का वजन अपनी थरथराती टांगो पर कहां तक ढो के बचेगा।

वक्त जाया कर रहा है तू अमृत लाल! मौत तुझसे सिर्फ एक डिस्कस दूर है! ला, वो डाटा मुझे दे दे। डिस्कस थ्रोअर वादा करता है तुझसे, बहुत ही आसान, बिना दर्द की मौत मिलेगी तुझे!
म...मैं सच कह रहा हूं। मेरे पास कोई डाटा-वाटा नहीं है! म... मुझे जाने दो!
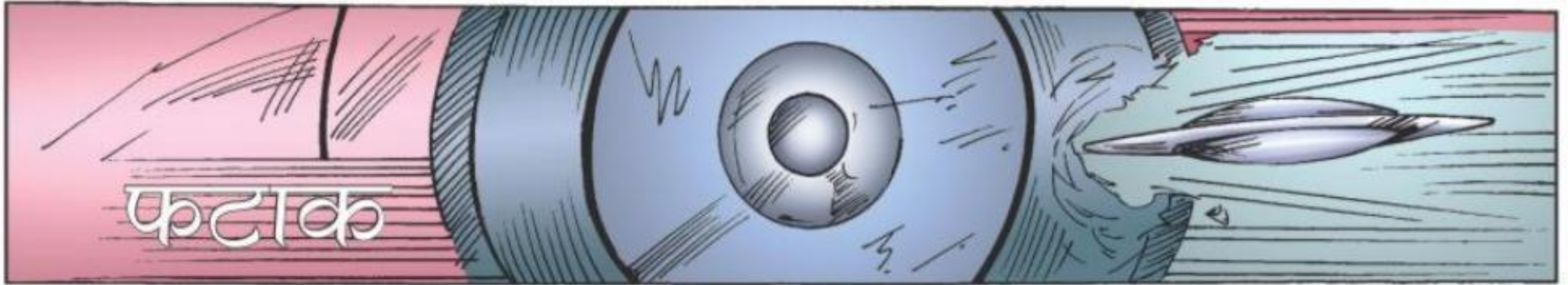
जाने दूंगा! ऐसी जगह जाने दूंगा जहां वो डाटा तेरे किसी काम नहीं आने वाला!
सर्राट
जहन्नुम!!!
जहन्नुम भेजने का दावा करने वाले न जाने कितने आए और गएsss... हम तो जिसे बना लें रकीब अपना उसकी जिन्दगी का हर पल जहन्नुम बना देते हैं।
तिरंगा!!!
तिरंगा!!! इतने साल गायब रहने के बाद वापस दिल्ली लौट आए!!
चंद घड़ी के लिए हम दूर क्या हुए महफिल से...
...यारों ने ना दुआओं में हमें याद किया ना ही खताओं में!!
यह TURBO DISCUS है तिरंगा। दुश्मन के शरीर को गाजर मूली की तरह काट सकती है!
सांयऽऽ
धाड़!!
उफ! इसके फेंके एक डिस्कस में से कई छोटी धारदार डिस्कस निकल कर हमला कर रही हैं, मैं खुद को तो बचा लूंगा पर पहले अमृत लाल को बचाना जरूरी है।
सांय
सर्र
सांय

अगर मेरा अंदेशा गलत नहीं है तो यह अमृत लाल नामक व्यक्ति राष्ट्र मण्डल खेलों की ORGANISING COMMITTEE का TREASURER था।

जिसे कुछ ही दिनों पहले FUNDS के दुरुपयोग और MONEY LAUNDERING CHARGES पर निलम्बित किया गया है!

इस खबर को और राष्ट्र मण्डल खेलों में हो रही धांधली को मीडिया आज कल खूब उछाल रही है!

इन आरोपों में कितनी सच्चाई है यही जानने के लिए मैं गेम्स विलेज का निरीक्षण करने आया था और अब लगता है कि मेरा यहां आना सार्थक हो गया!

बहुत सुने फसाने हमने तेरे तुफाने हमदम, चन्द अलफाज हमारे तराने के भी सुनता जा...

यह क्या बला है यह तो टर्बो डिस्कस को ही काटे दे रहे हैं।

यह TUNGSTEN धातु के बने केसरिया कटर्स हैं लल्ले! ध्यान रखियो, तुझसे छू भी गए तो काट डालेंगे।

आह!!!

खच्च खच्च

प्लान चौपट हो रहा है! तिरंगा ने बीच में आकर सब गड़बड़ कर दी अब इस किस्से को यहीं खत्म कर के फौरन निकलना होगा।
यह ब्लास्टर डिस्कस है तिरंगा फेंके जाने के बाद किसी भी चीज से टकराते ही ब्लास्ट करती है और चीथड़े उड़ा देती है।
BAD LUCK! तेरा निशाना तो चूक गया!!

तू मेरा निशाना था ही नहीं तिरंगा, तू तो जबरदस्ती बीच में घुस गया। मेरा निशाना तो तेरे पीछे है!
O SHIT!!
आाााााााााह!!

NOW CHOICE IS YOUR'S TIRANGA! या तो मेरे पीछे पड़ ले या मरने वाले को बचा ले!
DAMN IT!! इसका पीछा करने के लिए मैं घायल अमृत लाल को यहां मरने के लिए नहीं छोड़ सकता!

HOLD STILL AMRIT LAL JI. मैं आपको हॉस्पिटल पहुंचाने का इन्तजाम करता हूं।
न...नहीं...तिरंगा!! मेरे पास वक्त बहुत कम है...
मुझ पर...ज... जो इल्जाम लगाए गए हैं वो बेबुनियाद हैं...आह...ब.. बड़े अधिकारियों की गिरहबान बचाने के लिए...म...मुझे SCAPEGOAT बनाया गया है!

रा...राष्ट्र मण्डल खेल एक बहुत बड़ी... आ...आह... साजिश का शिकार...होने वाले हैं।
तिरंगा...ह...हमारे देश की साख के साथ लाखों...लोगों की जानें...द...दांव पर लगी हैं...अ...अब तुम ही कुछ कर सकते हो...
किस साजिश की बात कर रहे हैं आप? आप की जान डिस्कस थ्रोअर क्यों लेना चाहता था?

त...तुम्हारे... सारे सवालों का जवाब... यह...य...अह...।
यह तो मर गया! अमृतलाल का COLD BLOODED MURDER इस बात की पुष्टी करता है कि जो कुछ भी यह कह रहा था उसमें कुछ ना कुछ सच्चाई जरूर है!
राष्ट्र मण्डल खेल वाकई भारत को GLOBAL PLATFORM पर खुद को एक खेल समर्पित राष्ट्र साबित करने का अभूतपूर्व मौका है...

...जिसमें हुई छोटी सी चूक तिरंगे का सिर विश्व के सामने हमेशा के लिए झुका सकती है...

...और उस तिरंगे का सिर यह तिरंगा कभी झुकने नहीं देगा।
मरते वक्त अमृतलाल का यह चाबी मुझे देने का सिर्फ एक ही मतलब हो सकता है। सारी गुत्थी इस चाबी के ताले के पीछे बन्द है! अब बस इस चाबी का ताला ढूंढ़ना होगा।

यह ठीक नहीं हुआ! बिल्कुल ठीक नहीं हुआ! तिरंगा का इस मैटर में इन्वॉल्व होना हमारे लिए खतरनाक हो सकता है!
मेरे खिलाड़ी को जिस काम का आदेश मिला था वो उसने पूरा कर दिया! अमृतलाल तो गया इस दुनिया से अब वो डाटा उसने कहां छुपाया इससे क्या फर्क पड़ता है।
बिल्कुल फर्क पड़ता है! O.C. के बाकी तीन निलम्बित अधिकारी चन्दन जैन, के.सी. भाटिया और विमल शाह अभी जीवित हैं। उन्हें भी जल्द से जल्द अमृतलाल के पास पहुंचाओ!

बाकी सब कुछ PLANNING के अनुसार ही चलेगा! कल रात तुम्हारे दो आदमियों के स्टेडियम में BACK DOOR ENTRY का प्रबंध कर दिया गया है! सिक्योरिटी की नजरों से बच कर वो आराम से स्टेडियम में दाखिल हो सकते हैं। उसके आगे का काम तुम्हें पता है। कोई गड़बड़ नहीं होनी चाहिए!
DONT WORRY! काम हो जाएगा!

SHUTTLER FOOT BOMBLER!! कल रात तुम दोनों के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में दाखिल होने का प्रबंध हो गया है! स्टेडियम ग्राउन्ड में इतने धमाके करो कि वो विधवा की मांग की तरह उजड़ा नजर आने लगे। C.W.G. के INAUGURATION का सारा प्रोग्राम वहीं ध्वस्त हो जाएगा!
GOT IT COACH!

DISCUS THROWER तुम हुक और ग्रिप को अपने साथ ले जाओ और विमल शाह, चन्दन जैन व के.सी. भाटिया को इस दुनिया से ही निलम्बित कर दो।
O.K. COACH!

परसों C.W.G. में शामिल होने के लिए विदेशी खिलाड़ियों और सैलानियों का एक ग्रुप I.G.I. AIRPORT पर उतरेगा! DEATH STRIKER TEAM उनकी खातिरदारी के लिए वहां मौजूद होनी चाहिए!
YES COACH!

HEADQUARTER DELHI POLICE, COMMISSIONER OF POLICE-
TAKE A LOOK AT THESE REPORTS!! सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कई देशों की टीम्स व कई नामी गिरामी खिलाड़ियों ने राष्ट्र मण्डल खेलों में भाग लेने से इन्कार कर दिया है।

ABOVE ALL, कल रात अमृत लाल की हत्या ने कोढ़ में खाज का काम किया है।
ORGANISING COMMITEE से लेकर खेल मंत्रालय और सरकार हमसे जवाब मांग रही है। कि आखिर दिल्ली पुलिस C.W.G. के लिए अभेद सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं कर पा रही है!!

WE ARE TRYING OUR LEVEL BEST SIR!
BUT IT SEEMS LIKE OUR LEVEL BEST IS NOT GOOD ENOUGH.
यदि C.W.G के दौरान कोई भी अप्रिय घटना पेश आई तो उसकी जिम्मेदार दिल्ली पुलिस होगी, और यह बात मुझे कतई बर्दाश्त नहीं है।
अपनी सारी फोर्स को चौकन्ना करने की जरूरत है! और सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस के सबसे काबिल अफसर के हाथों सौंपनी होगी...

...I WANT INSPECTOR VINAY ON THIS JOB. विनय कहां है?

हाहाहा
क्या जोक मारा है बाप! मजा आ गया पऊआ दादा को! हीहीही एक बार फिर से बोल ना!

तुम्हारा अवैध देसी शराब का अड्डा C.W.G. के लिए बन रही GAMES LANE के किनारे पड़ता है, वैसे तो इस अवैध शराब के अड्डे को बहुत पहले ही बन्द हो जाना चाहिए था...
लेकिन अब इसे बन्द करने के लिए तुम्हारे पास सिर्फ दस मिनट का समय है! बाहर म्यूनिसिपैल्टी के दो कूड़ा उठाने वाले ट्रक खड़े हैं...

...एक में इस ठिए का सारा कचरा भरो और दूसरे में तुम सब खुद सवार हो जाओ, वरना मुझे तुम सबको उठा कर कचरा गाड़ी में भरना होगा!
मेरे ठिए से लोकल इन्सपेक्टर का रोज का एक पऊआ बंधा हुआ है। तू भी पऊआ पकड़ और कटले इधर से, वरना मेरे चेले लोग तुझे इस कूड़ा गाड़ी में लोड कर के वापस भेज देंगे।

दस में से एक मिनट तुम लोग बर्बाद कर चुके हो। अब तुम्हारे पास सिर्फ नौ मिनट हैं!
ये ऐसे नहीं मानने का पऊआ दादा। मैं इसको जरा कचरा ट्रक में लोड कर के आता हूं।

ये स्ट्रिपा। टीज क्यों कर रहा है भीडू?
हाहाहाहाहा
चाहे पुलिस की वर्दी हो या इमेज, तुम जैसे नाली के कीड़ों के हाथों गन्दी हो यह विनय को मन्जूर नहीं।

शर्ट खोल के खुल्ला बॉडी फाइट करना चाहता है...खुद को वॉन्टेड फिल्म का सलमान समझ लिया है क्या!
अब तक तूने सिर्फ फिल्मी पुलिस का एक्शन देखा है, अब दिल्ली पुलिस का एक्शन देख!
धड़ाक
धूमऽऽऽ
भैंस की पूंछ!!! क्या किक घुसेड़ के मारी है बाप!
एक बार जो मैंने कमिट्मेन्ट कर दी फिर मैं अपने आप और अपने बाप की क्या..अपने खुदा की भी नहीं सुनता!
खड़े-खड़े देख क्या रहे हो मारो साले को।

ताड़

धाड़

भाड़

अब क्या कहता है पऊए?
और मत मारो साब! मैं इन सब को कचरा गाड़ी में लोड कर के खुद भी लोड होकर डायरेक्ट हवालात पहुचुंगा। खुद को अन्दर बन्द करके चाबी बाहर फेंक दूंगा! पूरी लाईफ। दारू को हाथ भी नहीं लगाऊंगा सिर्फ दूध पिऊंगा। कसम से।

INSPECTOR VINAY REPORTING SIR!
COME VINAY I WAS EXPECTING YOU. HAVE A SEAT!
कमिश्नर विनय को वस्तु-स्थिति से अवगत कराता चला गया।

जरा यह E-MAIL पढ़ो!

ओ माइ गॉड सर! इस MAIL में तो C.W.G. की INAUGURAL CEREMONY के दौरान BOMB BLAST की धमकी दी गई है।

आज सुबह ही यह MAIL मुझे आया है, अभी इस मेल की बात को मैंने पूरी तरह गोपनीय रखा है क्योंकि यदि यह बात मीडिया में फैल गई तो C.W.G. को तो करोड़ों का घाटा होगा ही साथ ही देश की इज्जत भी धूल में मिल जाएगी।

THERE IS A POSSIBILITY कि यह MAIL HOAX हो BUT WE CANNOT TAKE ANY CHANCE. कल रात अमृत लाल जो कि C.W.G. ORGANISING COMMITEE के पूर्व TREASURER थे उनकी GAMES VILLAGE के पास ही हत्या कर दी गई। हो सकता है कि हत्यारा और यह MAIL भेजने वाला एक ही शख्स हो!

COME SHUTTER. इस समूचे ग्राउन्ड में यह BALL MINES बिछानी हैं उसके बाद एक ही धमाके में यह ग्राउन्ड ऐसा नजर आने लगेगा जैसे इस पर परमाणु बम गिर गया हो।
इस ग्राउन्ड का तो पता नहीं। लेकिन जब परमाणु बम बन कर तुम दोनों पर बरसेगा तब तुम दोनों जरूर पोखरण की धरती नजर आओगे...
...ये परमाणु का PROMISE है।
ताड़
धाड़
परमाणु!!! आह!!!
फुटबॉम्बलर के बॉम्बर बॉल्स इसी ग्राउन्ड पर तेरी कब्र खोद देंगे परमाणु!
और शटलर के स्टनर शटल्स अपने भीतर प्रवाहित 440 VOLT करेंट से तुझे राख करके इस ग्राउन्ड पर बिखेर देंगे।
PARMANU ROPE ACTIVATE!!!
अगर यह लड़ाई लम्बी खिंची तो इनका या मेरा कोई वार इस स्टेडियम को नुक्सान पहुंचा सकता है। जिससे बचने और लड़ाई को जल्दी खत्म करने का सबसे शॉर्टकट उपाय है कि इनके वार इन्हीं के उपर DIVERT कर दिए जाएं।
बूम्म
किर्र्र
ईयाााSSS

परमाणु का काम खत्म, विनय की ड्यूटी शुरू! भीतर आने से पहले मैंने सभी MAIN ENTRANCES की SECURITY खुद CHECK की थी। यह लोग VISITORS ENTRANCE से भीतर नहीं आए हैं।

यह लोग AUTHORISED PERSONAL ENTRY GATE से भीतर आए होंगे जिससे सिर्फ C.W.G. के कर्मचारी ही भीतर आते जाते हैं।

यह तभी सम्भव है जब किसी भीतरी कर्मचारी ने ही अन्दर आने में इनकी कोई मदद की हो। यानि C.W.G. के कर्मचारियों में ही कोई है जो कि इन अपराधियों से मिला हुआ है...

...वो कौन है और C.W.G. में गड़बड़ फैलाने के पीछे इनका मकसद क्या है। यह तो इन दोनों के होश में आने पर ही... ओह!! फिर से बारिश शुरू!!

इस महीने में इतनी बरसात पिछले कई सालों में नहीं हुई! दिल्ली में यमुना भी खतरे के निशान पर पहुंचने वाली है! उफ! शुरू होते ही बारिश कितनी घमासान हो गई है। जब तक सिक्योरिटी वाले यहां आते हैं इन दोनों को सुरक्षित शेड में पहुंचाना होगा।

इस दर्शक दीर्घा में यह दोनों और मैं बारिश से बचे रहेंगे...अरे!! यह क्या है!!??

INDIRA GANDHI INTERNATIONAL AIRPORT (I.G.I), TERMINAL 3 (T3).
GOOD EVENING LADIES AND GENTELMEN, WELCOME TO INDIA. I.G.I. AIRPORT के इस नवीनतम TERMINAL का निर्माण खास C.W.G. के उपलक्ष्य में किया गया है! SPECIAL AIRCRAFTS द्वारा विभिन्न देशों की TEAMS का आगमन इसी एयरपोर्ट पर होगा।
आप लोग यहां पधारने वालों में सर्वप्रथम हैं! TERMINAL के बाहर हमारी स्पेशल WAGONS खड़ी हैं जो कि सीधे आप सभी को GAMES VILLAGE ले जाएंगी जहां आप सभी के रुकने का खास प्रबन्ध किया गया है!

आप सभी हमारे देश के मेहमान हैं। हमारे मेहमान हैं। हम मेहमान नवाजी में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।
LADIES AND GENTLEMEN वो रही गाड़ियां जो आप सबको GAMES VILLAGE ले जाएंगी।

बूम्म
बूम्म
हम भी इनकी मेहमान नवाजी में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। और हम मेहमानों का स्वागत बड़े धूम-धाम से करते हैं।

WE ARE DEATH STRIKER TEAM!!!

जैवलिन थ्रोअर एक बार में सौ जैवलिन थ्रो कर सकता है। निशाना किसी एक जैवलिन का भी नहीं चूकता! एक स्ट्राईक... एक थ्रो...और सौ डाऊन!!

अरे!! जैवलिन्स और भीड़ के बीच में यह वैगन्स के टूटे हुए दरवाजे किसने फैंके!!

मैंने फैंके! तुम अपने जैवलिन्स का थ्रो दिखा रहे थे मैंने सोचा मैं भी थोड़ा SHOW OFF कर लूं।
सुपर कमांडो ध्रुव!!!
सुपर कमांडो ध्रुव दिल्ली में!!
यह यहां दिल्ली में क्या कर रहा है? इसकी टेरिटरी तो राजनगर है।

अपराध कहीं भी अपनी TERRITORY बनाए।
उसे INVADE करना ध्रुव का जन्म सिद्ध अधिकार है।

इन्हें हराने के लिए इनके NUMBER OF PLAYERS को कम करना होगा और यह काम यह लोग खुद करेंगे।

HIGH JUMPER की HIGH KICKS से तू नहीं बचेगा ध्रुव!

इस सूमो के नीचे कुचल कर रख देगा WEIGHTLIFTER तुझे।

धड़ाम

आआआईईईई

तड़
यह लड़का बहुत खतरनाक है!! कोई मौका मत दो इसे। सब एक साथ वार करो इस पर!
BOXER इतने PUNCHES मारेगा इसे कि इसका दिमाग कुछ सोचने के काबिल नहीं रहेगा।
उफ! यह लोग मेरे दिमाग को स्थिर नहीं होने दे रहे।
शरीर की एक-एक हड्डी चटका देंगे इसकी!
दिमाग चलाना तो दूर खुद भी चलने के काबिल नहीं रहेगा ये!
जो चंद सांसें इसके शरीर में बची हैं वो WRESTLER की जकड़ में तिल-तिल कर के निकलेंगी!
अब तो ध्रुव का बचना मुश्किल लगता है।
तेरी खुद की सांसें गिनती की हैं तू ध्रुव की सांसें क्या निकालेगा।

अरे! यह कौन आ गया ध्रुव की मदद के लिए?
वक्र!!! ऑल राउण्डर वक्र...!!!
एक और सुपर हीरो!
वाऊ! कितना गठीला और हैन्डसम नौजवान है!!!
क्या जबरदस्त पॉवर है। उस मोटे हाथी को ऐसे हवा में टांगे हुए है जैसे वो कागज का बना हो।

धड़ाम

WHO'S NEXT?

ALL AT A TIME! मिल कर मारो दोनों को। एक भी बचना नहीं चाहिए!! DEATH STRIKER TEAM ATTACK!!!

ताड़
तड़ाक
धाड़

दो के AGAINST ग्यारह PLAYERS. यह EQUATION कुछ ठीक नहीं लग रहा...

अब हम दो और आ गए हैं। दो और दो मिलकर बनते हैं बाइस, यह EQUATION बिल्कुल PERFECT है!
तिरंगा, परमाणु!

WOW! THIS IS GONNA BE NEWS OF THE CENTURY!!
यहां तो सुपर हीरोज का जमघट लगता जा रहा है।
THIS IS REALY INCREDIBLE. NOW I KNOW WHY INDIA IS CALLED 'INCREDIBLE INDIA'.

AIRPORT SECURITY और LOCAL POLICE भी आ रही है इनसे उलझने का वक्त नहीं है। सब निकल लो यहां से।

फटाक

खौं
खौं

मैं ATOMIC FILTRATED HEAT छोड़ता हूं। इसकी तीव्र परमाणु ऊष्मा इस धुएं को और इसके असर को पल भर में गायब कर देगी और इसका FILTRATION इसे इंसानों के लिए घातक सिद्ध होने से रोकता है! ATOMIC FILTRATED HEAT ACTIVATE!!!

मौके का फायदा उठाकर DEATH STRIKER TEAM भाग निकली!
DON'T WORRY वक्र! ऐसा मौका उन्हें दूसरी बार नसीब नहीं होगा।
अब सबसे पहला काम इन विदेशी टीमों और सैलानियों को सुरक्षित GAMES VILLAGE पहुंचाना है। COME ON GUYS!

24X7 NEWS
राष्ट्र मण्डल खेलों की ORGANISING COMMITEE के अध्यक्ष मिस्टर के.एल.मणि ने परमाणु, तिरंगा, ध्रुव व वक्र का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया है। हमारे संवाददाता से हुई बात-चीत में उन्होंने कहा कि...
इन सभी घटनाओं के पीछे आतंकी संगठनों का हाथ है जिन्हे पड़ोसी मुल्क सपोर्ट कर रहा है। भारत में राष्ट्र मण्डल खेल जैसे बड़े आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हों...
यह पड़ोसी देश के हुक्मरानों को मंजूर नहीं! वो नहीं चाहते कि खेल राष्ट्र के रूप में भारत का यश और गौरव सारे विश्व में बढ़े इसीलिए आतंकी कार्यवाहियों से इस आयोजन में विघ्न डालने का प्रयास कर रहे हैं।

...किन्तु मैं धन्यवाद देना चाहूंगा हमारे सुपर हीरोज का जिन्होंने इन आतंकवादियों के मनसूबों पर पानी फेर दिया। साथ ही उनसे अपील भी करना चाहूंगा कि राष्ट्र मण्डल खेलों के दौरान दर्शकों और खिलाड़ियों की सुरक्षा करने में हमारी मदद करें क्योंकि मुझे अंदेशा है कि यह आतंकवादी आगे भी कोई अप्रिय घटना को अंजाम देने का प्रयास कर सकते हैं।
क्या कहते हो दोस्तों?
गड़बड़ है दोस्तों, भारी गड़बड़ है!!
कैसी गड़बड़ तिरंगा?

MY GOD, TIRANGA YOU ARE RIGHT!!! खेलों को प्रोत्साहन और देश के खेल राष्ट्र होने के गर्व के नाम पर तो यह खेल अधिकारी देश का, देश के आम इंसान के खून पसीने से कमाए हुए धन का हनन कर रहे हैं।

यह देश के हर उस ईमानदार टैक्स पेयर के साथ विश्वासघात है जो देश के विकास और तरक्की के नाम पर अपनी मेहनत की कमाई टैक्स के रूप में देता है, जिसे ये लोग पूरी बेशर्मी से खेलों के नाम पर अपनी जेबों में भर रहे हैं।

तुम्हें यह सारे DOCUMENTS कहां से मिले?

इस E-MAIL के कारण जो कि मेरे STAR HELPLINE MAIL-ID पर भेजी गई थी!
अरे! यह तो वही E-MAIL है जो कि कमिश्नर साहब को मिली थी। जिसमें C.W.G. की INAUGURAL CEREMONY के दौरान आतंकी वारदात की धमकी दी गई है!
लेकिन यह E-MAIL तुम्हें राजनगर में क्यों भेजी गई?

इसका सीधा सा मतलब यह है कि E-MAIL भेजने वाला मुझे दिल्ली बुलाना चाहता है। क्यों? यह अभी पता नहीं! TRACE करवाने पर पता चला कि मेल दिल्ली के ही एक साईबर कैफे से भेजा गया था।
मैं I.G.I. AIRPORT पर पहुंचा ही था कि DEATH STRIKER TEAM से भिड़ंत हो गई!
अब तुम बताओ वक्र इतने सालों तक गायब रहने के बाद तुम आज यहां अचानक कैसे आ गए?

मेरी TEAM भी C.W.G. में हिस्सा ले रही है!
WHAT! तुम्हारी टीम??
हां इतने सालों तक मैं देश के कोने-कोने से ऐसे बच्चों को ढूंढता रहा जिनके अंदर खेल के लिए वही जज्बा वही जुनून हो जो मेरे अंदर है! अथक प्रयास के बाद मैंने दस बच्चे खोज निकाले, जिनके खेल में दुनिया जीत लेने का दम था
परन्तु उनकी प्रतिभा को निखारने वाला, उन्हें आगे बढ़ने का मौका देने वाला कोई ना था! मैंने उन्हें हर वो प्रशिक्षण दिया जो मुझे मेरे गुरु से मिला था।

...और अब वे अपनी प्रतिभा की चमक से दुनिया को चका-चौंध करने के लिए तैयार हैं! अगली FLIGHT से वे सभी दिल्ली पहुंच रहे हैं।
WE ARE PROUD OF YOU VAKRA. देश को तुम जैसे सच्चे खिलाड़ियों की जरूरत है!
वैसे तुम और तिरंगा ऐन टाईम पर I.G.I. AIRPORT कैसे पहुंच गए?
वहां मौजूद MEDIA के कारण। तुम्हारे और ध्रुव के ACTION का LIVE COVERAGE हर CHANNEL पर प्रसारित हो रहा था।

राष्ट्र मण्डल खेल, उसमें भाग ले रहे खिलाड़ी, टीमें व दर्शक सभी की सुरक्षा और देश का सम्मान खतरे में है।

हम चारों को मिलकर काम करना होगा।

परमाणु और वक्र GAMES VILLAGE की सुरक्षा देखेंगे, मैं और तिरंगा इस आतंकी संगठन और C.W.G. कर्मचारियों में छुपे उनके भेदिए का पता लगाएंगे!

LETS GO GUYS!!

ओह! एक बात तो मैं बताना भूल ही गया।

मूसलाधार बारिश से बचने के लिए जब मैं दो गुण्डों को उठा कर स्टेडियम की दर्शक दीर्घा में पहुंचा तब मेरा ध्यान इस ओर गया कि नवनिर्मित दर्शक दीर्घा में बारिश का पानी बुरी तरह रिस रहा था...

...साफ जाहिर है कि दर्शक दीर्घा के निर्माण में घटिया RAW MATERIAL का प्रयोग किया गया है।

यदि खेलों के दौरान वर्षा हुई...

तो दर्शक दीर्घा की छत...

कभी भी दर्शकों पर गिर सकती है।

यानि आतंकवादी हमले जितना बड़ा खतरा O.C. की लापरवाही भी है जो कि लाखों लोगों की मौत का सबब बन सकती है!

THANKS VAKRA. तुम्हारी बात ने मेरी मुश्किल आसान कर दी! अगर मेरी थ्योरी सही निकली तो हम जल्दी ही आतंकवादी संगठन के सरगना तक पहुंच जाएंगे!

अगर तुम भी वही सोच रहे हो तिरंगा जो मैं सोच रहा हूं तब तो वाकई हम आतंकवादियों तक पहुंच ही गए हैं।

अरे! पर मैंने ऐसा क्या कहा?

लौट कर बताता हूं! COME DHRUVA.

जब दो धुरन्धर डिटेक्टिव हीरो एक साथ एक ही जगह हों तो यही होता है!

चल भई सस्पेंस इन्हीं दोनों पर छोड़ते हैं और हम दोनों चल कर कुछ एक्शन-वेक्शन करते हैं।

कीमत!! तू मुझसे कीमत मांग रहा है। एहसान फरामोश!! अगर मैं नहीं होता तो तू आज भी या तो राजनगर भारोत्तोलन संघ में या फिर जेल की काल कोठरी में सड़ रहा होता।

मैंने तुझे वहां से निकाल कर खेल अपराध जगत का कोच बनाया और तू मुझसे कीमत मांग रहा है!

तुमने जो भी किया उसमें तुम्हारा भी फायदा था! घोड़ा घास से दोस्ती करेगा तो खाएगा क्या? यह समय आपस में लड़ने का नहीं मिल जुल कर काम करने का है!

...और कोच के बारे में जान कर भी पुलिस या सुपर हीरोज कोच का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे क्योंकि असल में कोच कौन है इसकी खबर कोच के खिलाड़ियों तक को नहीं है!
हुम्म! अपने PARA BOMBERS की टीम GAMES VILLAGE भेजो। ऐसी तबाही मचाओ कि दिल्ली ही नहीं सारा हिन्दुस्तान हिल जाए! इसके बाद भी यदि 3 OCTOBER को C.W.G. की INAUGURAL CEREMONY हुई तो उसके लिए हमारा फाइनल प्लान तो है ही और इस बार मुझे कोई गड़बड़ नहीं चाहिए।
GAMES VILLAGE, NEW DELHI.
सुबह-सुबह पैरा ग्लाईडिंग की प्रैक्टिस कौन सी टीम कर रही है?
पैराग्लाईडिंग इवेन्ट तो C.W.G. में शामिल भी नहीं है!
पैरा बॉम्बर्स सिर्फ मौत के खेलों में शामिल होते हैं। मूर्खों!
यह तो बमबारी कर रहे हैं। भागो यहां से!!
इनकी तादाद बहुत ज्यादा है, कहां भागें?
बुम
बड़ाम
मौत का खेल खेलने वालों को...
सांय
...जिन्दा रहने का अधिकार...

...परमाणु नहीं देता!!
बूङ्म

इन पैराबॉम्बर्स से निबटने के लिए मेरा बूमरैंग सबसे उपयुक्त है जिसे मैंने बैल्ट के रूप में कमर पर बांधा हुआ है!
सांय
बड़ाक
धाड़

बूम
बड़ाम

उफ! इनकी संख्या तो बढ़ती ही जा रही है वक्र! मेरे परमाणु छल्ले और तुम्हारा बूमरैंग इनके लिए काफी नहीं पड़ रहा है।
यह सारे के सारे एक साथ हम पर बम वर्षा कर रहे हैं। ज्यादा देर तक इन्हें डॉज दे पाना मुश्किल है!

O.C. से निलम्बित विमल शाह और चन्दन जैन तो लापता हैं अब हमारा आखिरी रास्ता यह के. सी. भाटिया है जिसने अपने भांजे की फर्जी कम्पनी के जरिए राष्ट्र मण्डल खेलों का पैसा अपनी जेब में भरा है!
भीतर से कुछ आवाजें आ रही हैं। शायद भाटिया भीतर ही है।

DISCUS THROWER!! साथ में दो जमूरे और भी हैं।
तिरंगा!! सुपर कमांडो ध्रुव!!
गूं..गूं..गूं..

मैं और हुक तिरंगा और ध्रुव को सम्भालते हैं ग्रिप, तू इसको भी वहीं पहुंचा जहां अमृतलाल, चन्दन जैन और विमल शाह को पहुंचाया था!
जिन्दगी और मौत की डोर है ऊपर वाले के हाथों में, इंसान का उस पर जोर नहीं!! हम तो निकलते हैं घर से बांध कर कफन सिर पे! कि मेरा रहनुमा उस रब के सिवा कोई और नहीं!!!
सांय
तड़ाक
ओह! तो चन्दन जैन और विमल शाह को तुम लोग पहले ही जान से मार चुके हो।
बिल्कुल ठीक! अब अगला नम्बर तुम दोनों का है।

इनके बॉम्ब अटैक बहुत FIERCE होते जा रहे हैं। PARMANU SHIELD ACTIVATE!!
अगर तुमने यह परमाणु शील्ड एक्टीवेट नहीं की होती तो यह बॉम्बस हम दोनों के चिथड़े उड़ा देते!

लेकिन परमाणु शील्ड सिर्फ पद्रंह सैकिन्ड्स के लिए ही एक्टिवेट होती है, और दोबारा एक मिनट तक एक्टिवेट नहीं की जा सकती।
पैराबॉम्बर्स दोबारा अटैक कर रहे हैं। WE NEED BACKUP!!!
बैकअप यूनिट आ गई है, कैप्टेन!
हर फन वीर!
तुझे जल्दी नहीं है पर हमारे पास ना तेरे घटिया डायलॉग सुनने का समय है और ना ही तेरे साथ डिस्कस-डिस्कस खेलने का।
पिछली बार तिरंगा ब्लास्टर डिस्कस से सिर्फ इसलिए बच गया था क्योंकि मुझे भागने की जल्दी थी! आज तुम दोनों में से कोई नहीं बचेगा। आज मुझे कोई जल्दी नहीं है। इत्मिनान से चीथड़े उड़ाऊंगा तुम दोनों के!

हुक का UPPER HOOK PUNCH दुश्मनों की अंतड़ियां मुंह से बाहर निकाल देता है और LOWER HOOK PUNCH अंतड़िया कहीं और से निकालता है।

बता तिरंगा अपनी अंतड़ियां कहां से निकलवाना चाहेगा!

ढाल से मार खाया ग्रिप सम्भल रहा है और हुक के वार भी आक्रामक होते जा रहे हैं!

और यह बिल्कुल सही समय है अपनी ढाल में एसेम्बल किए हुए नई गियर्स और गैजेट्स की टेस्टिंग का!

सर्र
सर्र
सर्र

ना UPPER HOOK, ना LOWER HOOK, बस तिरंगा का एक शॉट और तेरे होश तेरे शरीर के हर कोने से बाहर निकल जाएंगे!

इसने दोबारा अपनी बेल्ट का बटन दबाया यानि मेरे पास दो सैकेंड का वक्त है जिसमें मुझे ये FLOWER VASE उठा कर...
...इसके बांए हाथ पर बंधे गैजेट पर मारना है। जैसे ही गैजेट से बाहर आती डिस्कस तेजी से फेंके गए FLOWER VASE से टकराएगी...

बूम्म
...इसके हाथ पर ही ब्लास्ट कर जाएगी! यह ब्लास्ट इसके लिए जानलेवा नहीं होगा पर कई घंटों तक इसे चैन की नींद नसीब करा देगा!

ग्रिप की ग्रिप से आज तक कोई शिकार जिन्दा नहीं छूटा है तिरंगा।
ढाल मेरी पहुंच से काफी दूर है! केसरिया कटर्स भी इस अवस्था में मेरी सहायता नहीं कर सकते! अब मुझे प्रयोग करना ही होगा तिरंगा के अंतिम ब्रह्मास्त्र का...

भटाक
न्याय स्तम्भ!!

वाह तिरंगा! अपराधियों का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह लैस होकर वापस आए हो तुम!
जब दुश्मन अपनी ताकत दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ा रहा हो तो उसका मुकाबला करने के लिए अपनी शक्ति में इजाफा करना ही पड़ता है ध्रुव!
सजा देना तिरंगा का काम नहीं परन्तु न्याय की रक्षा के लिए इन अनुशासनहीन अपराधियों को अनुशासन में लाने के लिए यह न्याय स्तम्भ जरूरी है क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते!
बुलेटप्रूफ फाइबर से निर्मित यह तिरंगा रोप इनकी मुश्कें अच्छे से कस देगी!
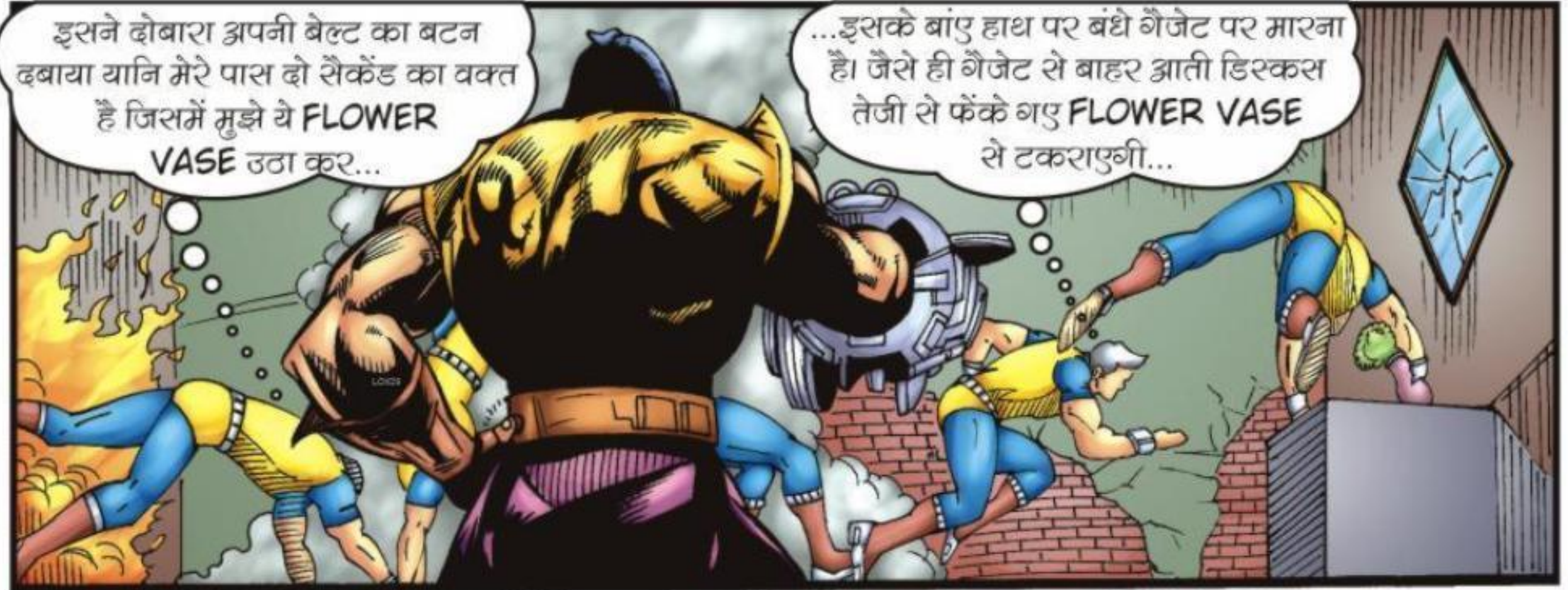
के.सी.भाटिया नहीं बचा। उसकी मौत हो गई है! मैंने लोकल पुलिस को INFORM कर दिया है। पुलिस टीम आती ही होगी!
यह तीनों कई घंटों तक होश में नहीं आने वाले। भाटिया के मरने से हमारे आगे बढ़ने का रास्ता भी बन्द हो गया। DAMN IT.

तुम्हारी टीम ने आकर लड़ाई का रुख ही पलट दिया वक्र! वाकई यह हरफन वीर हैं!
राष्ट्रमण्डल खेलों पर एक और आतंकी हमले की कोशिश नाकाम हो गई। परन्तु इस AREA को काफी नुक्सान पहुंचा है!
हमने CHECK कर लिया है कैप्टन कोई भी MAJOR CASUALTY नहीं है। कुछ खिलाड़ियों को छोटी-मोटी चोटें आई हैं। उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाने की व्यवस्था कर दी गई है।
GOOD WORK हरफन वीर। लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। DEATH STRIKER TEAM दोबारा हमला कर सकती है! अंगद, लक्ष्य, बलि, तुम लोग GAMES VILLAGE की सुरक्षा व्यवस्था खुद देखोगे।
YES CAPTAIN.

डिस्कस थ्रोअर और ग्रिप अभी तक होश में नहीं आए। हुक ने पुलिस INTERROGATION में बताया कि वो और पूरी DEATH STRIKER TEAM किसी कोच के लिए काम करते हैं। इस कोच को किसी अज्ञात शख्स ने C.W.G. में गड़बड़ फैलाने का काम दिया है! इस शख्स के बारे में कोच के किसी भी खिलाड़ी को कुछ नहीं पता वो सिर्फ कोच के ही DIRECT CONTACT में है।
काफी कोशिशों के बाद भी कोच के बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है। सिवाय इसके कि वो सट्टे बाजी, डोपिंग, खिलाड़ियों से एक्स्टोर्शन जैसे खेल अपराधों का सरगना है!
चन्दन जैन और विमल शाह का कुछ पता चला?
हुक ने अपने बयान में बताया कि उसने अपने बाकी दो साथियों के साथ मिलकर उन दोनों को भी मार डाला है!!

चारों निलम्बित ओ.सी. अधिकारियों की हत्या का एक ही कारण हो सकता है! वे चारों उस अज्ञात शख्स और कोच के बारे में जरूर कुछ ऐसा जानते थे जो कि इन दोनों के गले की फांस बन सकता था। इस लिए उन्हें रास्ते से हटा दिया गया!
मरने से पहले अमृतलाल यकीनन मुझे वही बताना चाहता था पर बता ना सका। आखिरी रास्ता यह चाबी थी जिसका ताला गधे के सींग की तरह गायब है!
तिरंगा, मरते वक्त अमृतलाल के EXACT LAST WORDS क्या थे।
उसने कहा था कि राष्ट्र मण्डल खेल एक बहुत बड़ी साजिश का शिकार होने वाले हैं। हमारे देश की साख के साथ लाखों लोगों की जानें दांव पर लगी हैं। फिर उसने यह चाबी मुझे देकर कहा कि सारे सवालों का जवाब यही है!

मुझे ऐसा लगता है कि अमृत लाल का इशारा इस चाबी की ओर था ही नहीं, उसका इशारा इस KEY-RING की ओर था!

शेरा की गर्दन के पास यह बारीक लाईन देखो! यह की-रिंग सिर्फ की-रिंग नहीं...

...एक PEN DRIVE है!
तो इसके बारे में बताना चाहता था अमृत लाल!
बगल में छोरा शहर में ढिंढोरा!

HOLY SHIT!! HAVE A LOOK AT THIS GUYS!
राष्ट्र मण्डल खेलों के लिए मिले फण्ड का कितना पैसा O.C. के किस-किस सदस्य ने खाया इसका कच्चा चिट्ठा है यह।

लेकिन इससे हमें कोच या उस अज्ञात शख्स के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही!

नहीं तिरंगा! इस PEN DRIVE में कुछ और भी है! इस अकेली WORD FILE का SIZE 500KB है जबकि PEN DRIVE में OCCUPIED SPACE 2.5 MB SHOW कर रहा है यानि इस PEN DRIVE में 2MB की एक HIDDEN FILE भी मौजूद है। उसे DETECT करना होगा।

DETECT हो गया यह तो एक 3GP FORMAT का VIDEO है जो कि MOBILE CEMERA से RECORD का FORMAT होता है!

तो यह कमीना है वो अज्ञात शख्स!

इतनी घिनौनी प्लानिंग! यह तो INAUGURAL CEREMONY के दौरान पूरे स्टेडियम को बम से उड़ा देना चाहते हैं!

एक ही उल्लू काफी है वीराने गुलिस्तां करने को! हर शाख पे उल्लू बैठा है अंजामे गुलिस्तां क्या होगा!

चन्दन जैन, अमृतलाल, भाटिया और विमल शाह भी इस प्लान में शामिल थे, यह VIDEO इन चारों में से ही किसी ने बनाया है पर शायद कोच या इस शख्स को इसकी भनक लग गई इस वजह से ही चारों का खून कर दिया गया!

इस समय तक इनकी प्लानिंग INITIAL STAGE में थी इसलिए इस वीडियो में BOMB BLAST के समय और तरीके के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, वो PLANING बाद में इस शख्स ने कोच के साथ अकेले में की होगी!

स्टेडियम का INSPECTION मैंने खुद किया था। यदि वहां किसी प्रकार का भी EXPLOSIVE होता तो मेरे EMBLEM पर लगे परमाणु SENSORS उसका पता लगा लेते! इसका मतलब कि लोकेशन या तो यह शख्स बता सकता है या फिर कोच!

और कोच कौन है यह कोच के सिवाय या तो यह शख्स जानता है या फिर...

...क्योंकि उन तीनों खिलाड़ियों का हत्यारा और डोपिंग के लिए उन्हें उकसाने वाला वो चौथा खिलाड़ी बलबीर मणि ही था। जिसने मुझे हत्या का आरोपी बना दिया और खुद यहां आकर खेल अपराध जगत का कोच बन बैठा!

WHAT?

मुझे उन चारों खिलाड़ियों पर शक हो गया था कि वे प्रतिबंधित स्टेरॉईड्स का प्रयोग करते हैं। पर इससे पहले कि मैं उनके खिलाफ कोई कार्यवाही कर पाता, बलबीर ने इस अज्ञात शख्स के साथ मिलकर मुझे ही फंसाने का प्लान बनाया। पहले तो उसने बाकी तीनों आरोपी खिलाड़ियों को पैसे का लालच देकर मेरे खिलाफ मीडिया में बयान दिलवाया फिर उनकी हत्या कर और खुद UNDER GROUND होकर हत्याओं का इल्जाम मेरे सिर मढ़ दिया पर मैंने हार नहीं मानी पिछले छः सालों से मैं इन दोनों के काले कारनामें बेनकाब कर के खुद पर लगे कलंक को मिटाने की कोशिश कर रहा हूं।

इस वीडियो को छोड़ कर बाकी जितनी जानकारी इस PEN DRIVE में है वो मैं अमृतलाल से पहले ही उगलवा चुका था। पर जैसा कि तुम देख रहे हो यह काफी नहीं है! इतनी बड़ी धांधली और प्लानिंग का राज फाश करना मेरे अकेले के वश का नहीं था मुझे पुलिस और सुपर हीरोज के साथ की जरूरत थी

इसलिए मैंने तुम्हें, दिल्ली COMMISSIONER OF POLICE को आतंकी वारदात की चेतावनी वाली E-MAIL भेजी ताकि तुम लोग चौकन्ने हो जाओ

और तुम लोगों के इस मैटर में इनवॉल्व होने से इन शैतानों के नापाक इरादे विफल हो जाएं अब तक मेरी सोच के मुताबिक सब कुछ वैसा ही हुआ जैसा कि मैं चाहता था...

...लेकिन अब हमारे पास वक्त नहीं है। कल C.W.G. की INAUGURAL CEREMONY है कोच बलबीर सिंह के रूप में वहां जरूर आएगा अपनी प्लानिंग के फाइनल स्टेप को पूरा करने के लिए!
आने दो उसे! हमें भी अब कल का ही इंतजार है!
हमारी अब तक की सारी प्लानिंग पर सुपर हीरोज ने पानी फेर दिया! अगर कल की हमारी फाइनल प्लानिंग फेल हो गई...
तो तू जेल के कैदियों को खेलना सिखा रहा होगा और मैं जेल में होने वाली कबड्डी का आयोजन कर रहा होऊंगा!

ऐसी नौबत नहीं आएगी! C.W.G. की INAUGURAL CEREMONY इतनी धूम-धाम से होगी कि दुनिया कभी उसे भुला नहीं पाएगी!
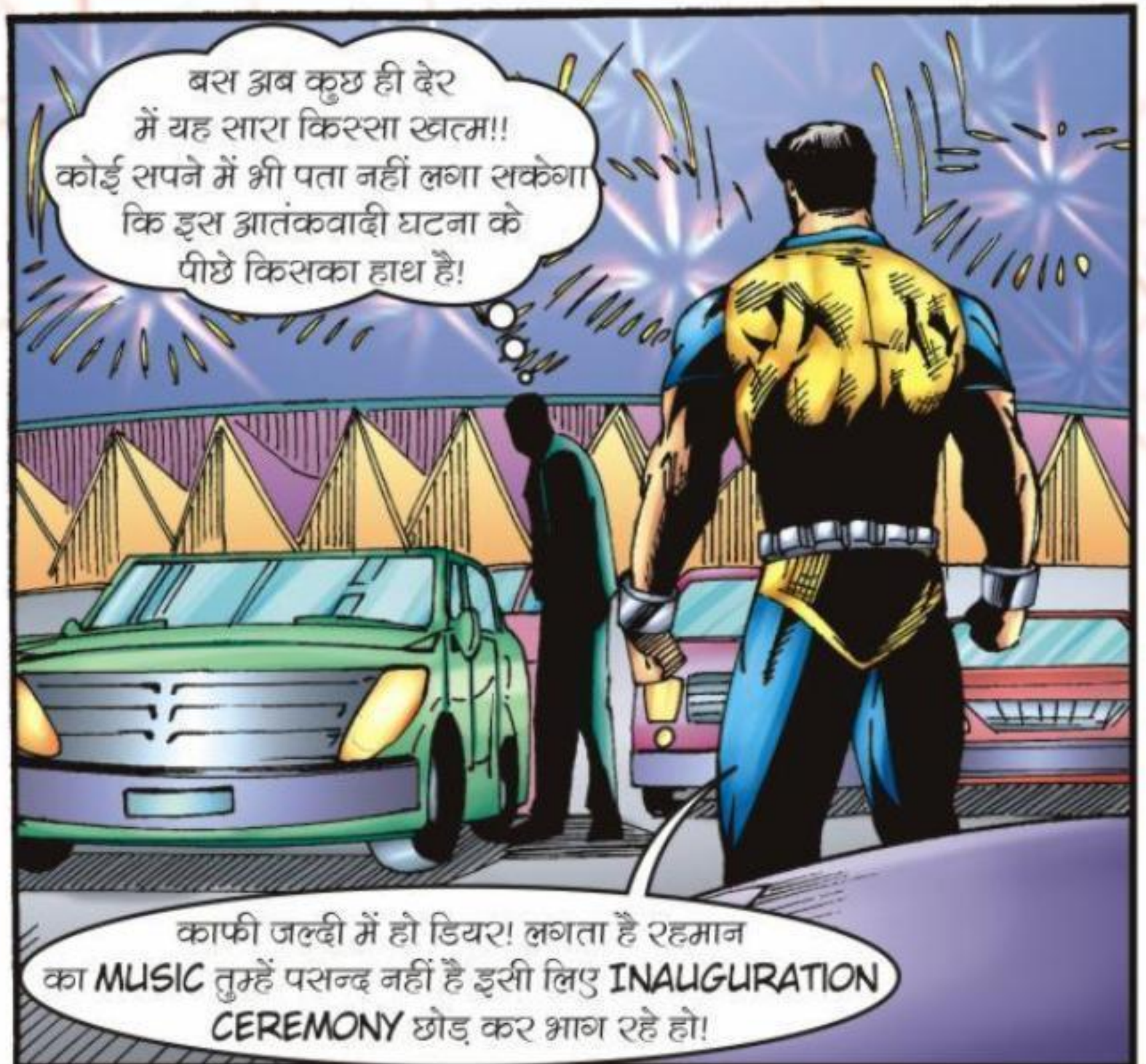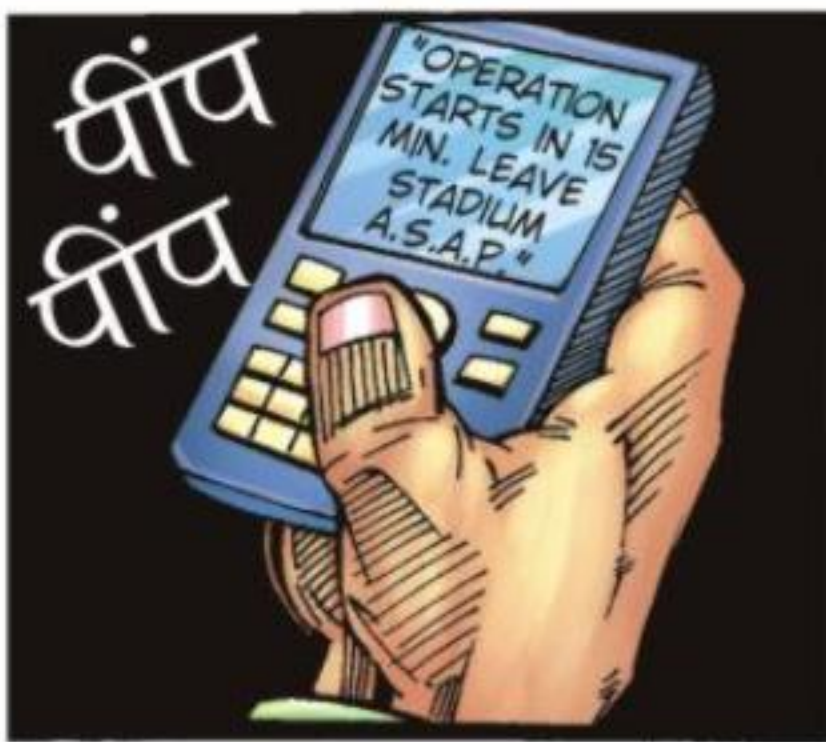
LADIES AND GENTLEMEN. WELCOME TO 2010 COMMON WEALTH GAMES. NEW DELHI.
COMMONWEALTH GAMES

COMMON WEALTH GAME 2010
EVENT का शुभारम्भ संगीत MAESTRO A.R. REHMAN COMMONWEALTH GAME के THEME SONG से करेंगे! SO LADIES AND GENTLEMEN. ENJOY THE MOST SPECTACULAR EVENT OF THE YEAR!

CASIO

पींप पींप
"OPERATION STARTS IN 15 MIN. LEAVE STADIUM A.S.A.P."

ओह! समय बहुत ही कम है। मुझे जल्द से जल्द यहां से निकलना होगा!
EXCUSE ME.

बस अब कुछ ही देर में यह सारा किस्सा खत्म!! कोई सपने में भी पता नहीं लगा सकेगा कि इस आतंकवादी घटना के पीछे किसका हाथ है!
काफी जल्दी में हो डियर! लगता है रहमान का MUSIC तुम्हें पसन्द नहीं है इसी लिए INAUGURATION CEREMONY छोड़ कर भाग रहे हो!

तुम!!!
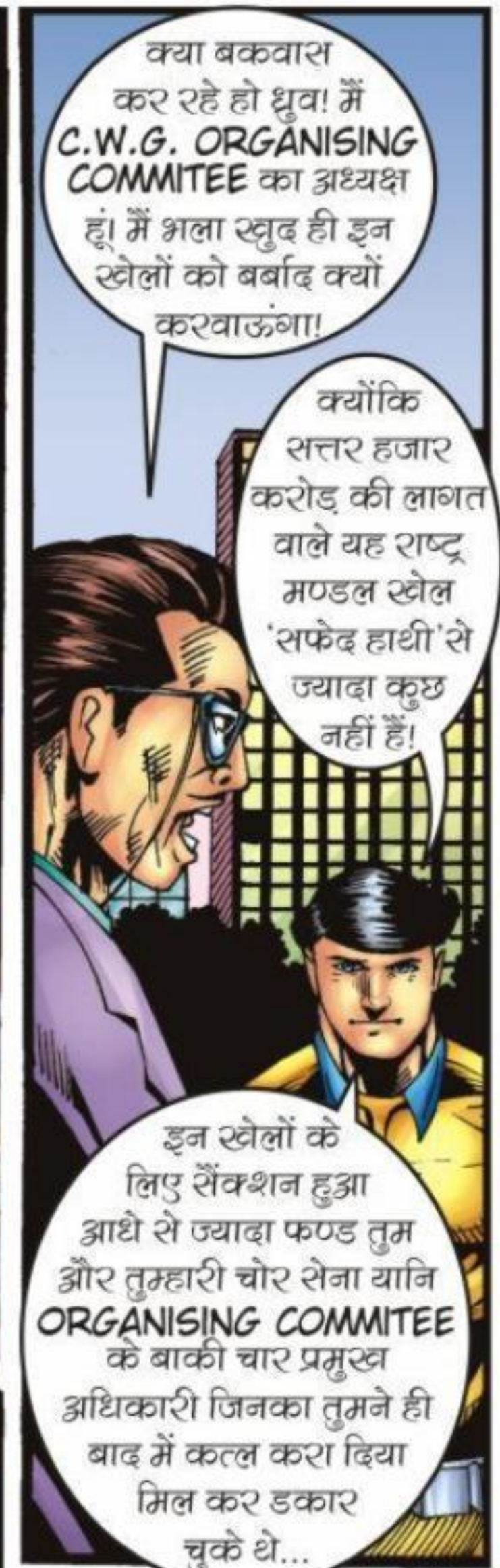
क्या बकवास कर रहे हो ध्रुव! मैं C.W.G. ORGANISING COMMITEE का अध्यक्ष हूं। मैं भला खुद ही इन खेलों को बर्बाद क्यों करवाऊंगा!

क्योंकि सत्तर हजार करोड़ की लागत वाले यह राष्ट्र मण्डल खेल 'सफेद हाथी' से ज्यादा कुछ नहीं हैं!

इन खेलों के लिए सैंक्शन हुआ आधे से ज्यादा फण्ड तुम और तुम्हारी चोर सेना यानि ORGANISING COMMITEE के बाकी चार प्रमुख अधिकारी जिनका तुमने ही बाद में कत्ल करा दिया मिल कर डकार चुके थे...

...बचे खुचे फंड से घटिया और दोयम दर्जे का INFRASTRUCTURE खड़ा कर दिया गया पर मीडिया को इस धांधली की खबर लग गई और मीडिया ने राष्ट्र मण्डल खेल आयोजन समिती की बखिया उधेड़नी शुरू कर दी! जब बात संसद तक पहुंच गई तो खेल मंत्रालय और राज्य व केन्द्र सरकार भी तुम लोगों पर लगाम कसने लगी...

पर तुम लोगों के लिए परिस्थिति कोढ़ में खाज वाली तब हो गई जब दिल्ली का मौसम भी तुम लोगों के खिलाफ हो गया! भीषण बरसात ने नवनिर्मित स्टेडियम के घटिया स्तर के निर्माण की कलई खोल दी! साफ जाहिर था कि अगर मौसम यूं ही कहर बरसाता रहा तो स्टेडियम की छत खेल के दौरान दर्शक दीर्घा में बैठे दर्शकों के ऊपर कभी भी गिर सकती थी। और अगर ऐसा ना भी होता तो आने वाले दिनों में खेलों के दौरान तुम लोगों की लचर व्यवस्था और धांधली की तस्वीर खुलकर लोगों के सामने आ सकती थी जिसके फल स्वरूप तुम लोग सलाखों के पीछे काफी लम्बा जाते...

...पर अपनी गर्दन बचाने के लिए तुम लोगों ने मासूमों की जिन्दगियों को दांव पर लगाने की साजिश रची! C.W.G. को आतंकी हमले व साजिश का शिकार दिखाना तुम लोगों की प्लानिंग का हिस्सा था! यदि खेलों के आयोजन में ऐसी आतंकी वारदात होती हैं...

जिसमें काफी जान-माल का नुक्सान हो तो खेल रद्द कर दिए जाएंगे और तुम्हारी धांधली का किसी को पता नहीं चलेगा!

लेकिन प्लानिंग के दौरान सरकार का तुम पर दबाव इतना बढ़ गया कि मजबूरन तुम्हें अपने चार साथियों को निलम्बित करना पड़ा! पर तुम्हारा यह फैसला उन चारों को रास नहीं आया...

...उन्होंने पहले ही इस बात का प्रबंध कर रखा था कि यदि तू उन्हें डबल क्रॉस करने की कोशिश करे तो वे तुझे ब्लैकमेल कर सकें!

उन्होंने तेरा और कोच का एक स्टिंग वीडियो बना लिया था जिसमें तू कोच को C.W.G. INAUGURAL CEREMONY के दौरान BOMB BLAST का आदेश दे रहा है! पर तू उन चारों का भी बाप निकला इससे पहले कि वो तेरा कुछ बिगाड़ते तूने उनका ऊपर का टिकट कटा दिया!

यह सब कोरी बकवास है लड़के! तू कुछ भी साबित नहीं कर सकता। मेरे खिलाफ तेरे पास कोई सबूत नहीं है कि इस सबके पीछे मेरा हाथ है!

तेरे खिलाफ जीता-जागता सबूत पवन खन्ना है जिसे तूने और तेरे भतीजे बलबीर मणि उर्फ कोच ने डोपिंग और हत्या के झूठे आरोप में फंसाया था!

क्या??!! पवन खन्ना जिंदा है!!

उसी ने तो इस बात का राज फाश किया है कि तेरा और कोच का चाचा-भतीजे का रिश्ता है!

तू ही खिलाड़ियों को प्रतिबंधित स्टेरॉइड्स उपलब्ध कराया करता था और तूने ही बलबीर मणि को कोच बनाया है! इसके अलावा सबसे बड़ा सबूत तो वो STING VIDEO है जो अमृतलाल तिरंगा को दे कर मरा है। जिसमें तुम दोनो चाचा-भतीजे प्यार मुहब्बत की बातें कर रहे हो।

इन सिक्योरिटी कैमरा में स्टेडियम में मौजूद हर शख्स को देखा जा सकता है! कोच अपने बलबीर मणि वाले रूप में निश्चित ही यहां मौजूद होगा! जिसे सिर्फ आप पहचान सकते हैं मिस्टर खन्ना!
मैंने पहचान लिया है तिरंगा! स्टेडियम से तेजी से बाहर निकलता यह शख्स ही बलबीर मणि है!
वक्र!! ब्लैक शर्ट और ब्लू जींस वाला राक्षसी डील-डौल का जो शख्स गेट नम्बर तीन से बाहर भाग रहा है वो ही बलबीर मणि है!! STOP HIM!!
परमाणु!! के. एल.मणि के चार दांत, आठ हड्डियां और तीन पसलियां शहीद हो गईं पर अच्छी बात यह है कि BOMB का पता चल गया है...
...BOMB स्टेडियम के उपर तैरते BLIMP में फिट किया गया है।
DON'T WORRY DHRUV! मैं इस BLIMP को फटने से पहले ही यहां से दूर ले जाऊंगा!
चाचू तो यहां से अब तक दूर निकल गया होगा! मुझे और देर नहीं करनी है। बस इस डेटोनेटर का बटन दबाना है और...
ऐसा करने के लिए वक्र तेरे हाथ सलामत ही नहीं रहने देगा बलबीर मणि उर्फ कोच!!
WHAT!!! तू मुझे पहचान गया? यानि कि तुम सुपर हीरोज को सारी प्लानिंग का पता लग गया है!!
NO!!
परमाणु!! इस हरामजादे ने डेटोनेटर का बटन दबा दिया है। BOMB ब्लास्ट होने वाला है।
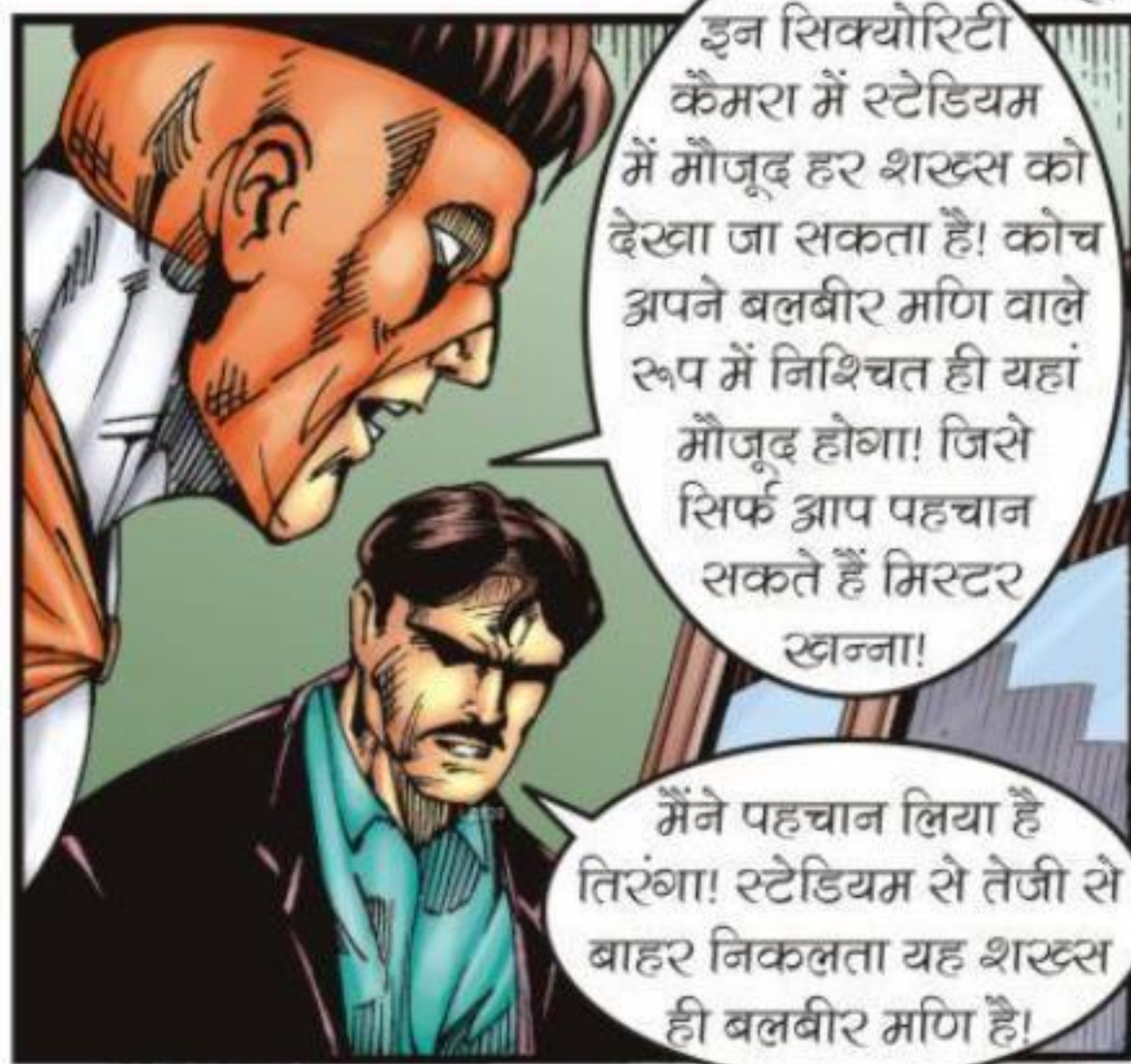
परमाणु C.W.G. की सुरक्षा का COMMITMENT कर चुका है और एक बार जो मैंने COMMITMENT कर दिया फिर मैं खुद की क्या खुदा की भी नहीं सुनता! PARMANU SHIELD ACTIVATE.

हे भगवान! आसमान में तैरता BLIMP BLAST हो रहा है!!

आसमान से आग उगलते मौत के शोले बरसने वाले हैं!!

सब मारे जाएंगे!! कोई नहीं बचेगा!

नहीं! परमाणु के रहते सब बच जाएंगे कोई नहीं मरेगा!!

लेकिन पन्द्रह सैकेण्ड्स में परमाणु शील्ड गायब हो जाएगी और यह आग उगलती मौत स्टेडियम पर बरसेगी। उससे पहले ही पन्द्रह सैकेण्ड के अन्दर...

...मुझे इसे अंतरिक्ष में ले जाना है जहां परमाणु शील्ड हटने पर भी यह ब्लास्ट कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा!

हुर्रे! परमाणु ने हमें बचा लिया!

अरे! यह वक्र किसे पीट रहा है?

शायद इसी ने स्टेडियम में विस्फोट की साजिश रची है।

परमाणु ने स्टेडियम को तो बचा लिया पर तुझे मुझ से कौन बचाएगा।

DEATH STRIKER TEAM ATTACK.

हियाSSS!!!

अरे! यह लोग तो हम पर हमला कर रहे हैं!!!

भागो यहां से।

नहीं मैं हार नहीं मानूंगा!! इस STEROID का MILD DOSE इंसान के शरीर में दस हाथियों की ताकत भर देता है! इस फुल शॉट के बाद तो मैं तुम चारों के चीथड़े उड़ा दूंगा!!

नहीं दोस्तों! आज इसके साथ-साथ मुझे सारी दुनिया को भी यह दिखाना है कि खिलाड़ी की असली ताकत खेल के प्रति उसका जुनून होती है STEROIDS नहीं!

THIS IS GONNA BE A ONE ON ONE MATCH.

LETS BET ON THIS GUYS! वक्र इसे एक मिनट में चित कर देगा।

NAH! 50 सैकेंड से उपर नहीं लगने देगा!

NOT MORE THAN 30 SECONDS GUYS!

VAKRA VAKRA VAKRA

COME ON CAPTAIN!! SHOW THIS RASCAL WHO'S THE CHAMP!!

VAKRA 5 SEC...

तेरे शरीर की छोटी-छोटी बोटियां करके पूरे स्टेडियम में बिखेर दूंगा।

धाड़
धड़ाक
10 SEC...
बूम
25 SEC...
तड़ाक
15 SEC...
20 SEC...
30 SEC...
कहानी खत्म दोस्तों! मैं शर्त जीत गया! चलो परमाणु अब विनय और पुलिस फोर्स को भेजो बचा काम निबटाने के लिए!
अरे आप कहां चले पाठकों आप से तो मुझे अभी एक बेहद जरूरी बात करनी है...

प्यारे दोस्तों आज मैं आपसे एक खास बात करना चाहता हूं! COMMONWEALTH इस शब्द का प्रयोग वास्तविक रूप से जन कल्याण यानि समाज की भलाई के लिए किया गया था परन्तु क्या आज हम जो वस्तु स्थिति देख रहे हैं। उसमें सत्तर हजार करोड़ ऐसे आयोजनों पर खर्च करना कहां तक उचित है? जबकि आज भी हमारे देश में हर चार में से एक बच्चा रात को भूखा सोता है। हमारे लिए इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है कि हमारे राष्ट्रीय खेल हॉकी में महिला खिलाड़ियों को टीम के कोच द्वारा ही शोषण का सामना करना पड़ रहा है! क्या इतनी बड़ी धन राशि देश के विभिन्न खेलों, खिलाड़ियों और खेल के बेहतर INFRASTRUCTURE पर खर्च कर इन्हें सुधारा नहीं जाना चाहिए?
तब हम गर्व से दुनिया के सामने अपने आप को खेल समर्पित राष्ट्र कहलाने में गौरवान्वित महसूस करेंगे या फिर भ्रष्ट्राचार और खानापूर्ति के बीच इन आयोजनों को सम्पन्न करने में गर्व महसूस करेंगे! फैसला आपका है, क्योंकि देश आपका है और यह मेरा ध्रुव तारे जैसा अटल, अडिग विश्वास है कि एक दिन आप देश की आने वाली पीढ़ी हमारे देश में खेलों की दशा और दिशा जरूर बदलेंगे! यह मेरे मन का विश्वास है कि एक ना एक दिन... हम होंगे कामयाब!
समाप्त